अंक-योजना (Marking Scheme) XII Class 2015

संस्कृतम् (Sanskrit Elective) Set 4 (**Code 49**)

कृपया ध्यान दीजिए ः

1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंक दिए जाएँ।

2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।

3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।

4। आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन ः

खण्डः 'क' (Section-A)(अपठित अवबोधनम्) 15 अङ्काः

1। (क) प्रथमः अनुच्छेदः

(अ) एकपदेन उत्तरत। प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) परिपूर्णा

(ii) सोपानम्

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न । **2** अंक। **2×1=2**

उदात्ता स्थितिः.....।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत- चार प्रश्न ।प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। **½×4=2**

(i) उदात्तम्

(ii) विजयम्

(iii) तस्मिन्

(iv) स्वपन्

(ख) द्वितीयः अनुच्छेदः

(अ) एकपदेन उत्तरत। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×2=2**

(i) जनाः

(ii) उपलब्धीः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न । **2** अंक। **2×1=2**

भयेन दुःखानि..... उत्पद्यन्ते।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत- चार प्रश्न ।प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×4=4**

(i) उत्पद्यन्ते

(ii) ते

(iii) कथयन्ति

(iv) भयरहितं

(द) भयम् अथवा भयरहितजीवनम् अथवा भयत्यागः अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक । **2**

खण्डः 'ख' (Section-B)(रचनात्मकं कार्यम्) 15 अङ्काः

2। कथालेखनम् - 10 रिक्तस्थान ।प्रत्येकभाग के लिए 1 अंक। $1\times10=10$

(i) ख्यात्या
(ii) अब्रवीत्
(iii) सामान्यः
(iv) चलितुम्
(v) समुद्रम्
(vi) गङ्गायाः
(vii) परिवर्तितुम्
(viii) गर्वोक्तिम्
(ix) पणद्वयेन
(x) निरुत्तरः

3। अनुच्छेदलेखनम् $1\times5=5$

बच्चों से प्रदत्तविषयाधारित सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है।केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए।इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है।वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं।व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ ।मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं -आवश्यक नहीं।वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य -निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ।त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ।पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए **1** अंक हैं।

खण्डः 'ग' (Section-C)(पठितांश अवबोधनम्संस्कृतसाहित्यस्य परिचयः च) 50 अंकाः

4। (क)**पद्यम्** (अ) एकपदेन उत्तरत - - दो प्रश्न ।प्रत्येक के लिए $\frac{1}{2}$ अंक। $\frac{1}{2}\times2=1$

(i) सन्मित्रं
(ii) गुणान्

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए **2** अंक। 2

पापान्निवारयति.....सन्तः।

(स)यथानिर्देशम् उत्तरत - **2** प्रश्न ।

(i) सन्मित्रम् 1
(ii) पापात् 1

(ख)**गद्यांशः** (अ) एकपदेन उत्तरत - - दो प्रश्न ।प्रत्येक के लिए $\frac{1}{2}$ अंक। $\frac{1}{2}\times2=1$

(i) चाटकैररुतैः
(ii) वनानि

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए **2** अंक। 2

.....मेघमाला पर्वतश्रेणीव.....।

(स)यथानिर्देशम् उत्तरत - **2** प्रश्न ।

(i) अभ्यन्तरम् 1
(ii) भास्करः 1

(ग)**नाट्यांशः** (अ) एकपदेन उत्तरत - - दो प्रश्न ।प्रत्येक के लिए $\frac{1}{2}$ अंक। $\frac{1}{2}\times2=1$

(i) अश्वमेधः
(ii) प्राज्ञः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - एक प्रश्न के लिए 2 अंक। 2

सप्तलोकैकवीरस्य .....द्विषः।

(स)यथानिर्देशम् उत्तरत - 2 प्रश्न ।

(i) पृथिवी 1

(ii) दशकण्ठः 1

5। शब्दार्थ -संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक. ½×4=2

(अ)एहि (ii) आगच्छ

(ब) निशम्य (iii) श्रुत्वा

(स) कौतुकम् (iv) आश्चर्यम्

(द) तोषितः (i) प्रसादितः

6। प्रश्न निर्माण संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए1अंक (i) कस्य 1×4=4

(ii) कैः

(iii) केन

(iv) काम्

7। भाव-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक ½×12=6

(अ) (i)कर्म (ii) आरभते (iii) मनसि (iv) द्यौ (v) कथम् (vi) अधिगच्छतः

(ब) (i) जलाशये (ii) अधिकम् (iii) तस्मात् (iv) भवति (v) जीवने (vi) त्यागः

8। अन्वय-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक ½×6=3

(अ) (i) कुर्वन् (ii) त्वयि (iii) लिप्यते

(ब) (i) कर्म (ii) अकर्मणः (iii) प्रसिद्धयेत्

9। यथानिर्देशम् उत्तरत इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं।

(अ) (i) कर्तृपदं =राजा क्रियापदं = अचिन्तयत् (ii) कर्तृपदं=अहं क्रियापदं = भवामि ½×4=2

(ब) (i) प्रचण्डतमा (ii) क्रूराकारा 1×2=2

(स) (i) लक्ष्म्यै (ii) ब्राह्मणाय 1×2=2

(द) (i) विरलाः (ii) वृणते 1×2=2

(य) (i) शुकनासः - चन्द्रपीडम् (ii) अश्वत्थदेवः-वृक्षान् ½×4=2

10। लेखक वा काव्य। दिए गए उत्तरों के अतिरिक्त भी अन्य उपयुक्त उत्तरों के लिए अंक दिए जाएँ। उत्तरों में वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक ।

(अ) (i) दाराशिकोहः -समुद्रसंगः 1×5=5

(ii) भर्तृहरिः - नीतिशतकम्

(iii) हृषीकेशो भट्टाचार्यः - प्रबन्धमञ्जरी

(iv) भारविः - किरातार्जुनीयम्

(v) अम्बिकादत्तव्यासः - शिवराजविजयम्

(ब) (i) प्रबन्धपारिजातः -भट्टः मधुरनाथशास्त्री 1×5=5

(ii)कादम्बरी -बाणः

(iii)पाषाणीकन्या -चन्द्रशेखरदास वर्मा

(iv)सौन्दर्यलहरी -पण्डितराज जगन्नाथः

(v) चारुदत्तम् -भासः

खण्डः 'घ' (Section-D)(छन्दोऽलङ्काराः) 20 अङ्काः

11। प्रश्नान् उत्तरत।

(अ) (i) गुरुः (ii) ।ऽऽ $1\times2=2$

(ब) (i) इन्द्रवज्रा (ii) तभजाजगौ गः (iii) जरौ (iv) मालिनी भोगि... $1\times4=4$

(स) (i) शिखरिणी $2\times1=2$

(ii) उपेन्द्रवज्रा

(द) (i) वागर्थाविव .....परमेश्वरौ ।अथवा यावत्स्वस्थमिदं कलेवरगृहं .....। अथवा अन्य उपयुक्त उत्तर $2\times1=2$

12। (अ) **शब्दालङ्कार**

(i) अनुप्रासः - अनुप्रासाः शब्दसाम्यम् ।उदाहरण ः निजहृदि विकसन्तः सन्ति .....। 3

अथवा

(ii) श्लेष ः - श्लिष्टैः पदैः .....।उदाहरण ः व्रजन्ति ते मूढधियः .....इवेषवः।

(ब) **अर्थालङ्कार**

(i) रूपकम्- रूपकं रूपितारोपो.....। 3

उदाहरणः अस्मिन् महामोहमये कटाहे .....। **अथवा अन्य उपयुक्त उत्तर**

अथवा

(ii) अर्थान्तरन्यासः- सामान्यं वा विशेषेण.....समर्थ्यते सः अर्थान्तरन्यासः।

उदाहरणः यावदर्थपदां वाचमेवमादाय माधवः .....। **अथवा अन्य उपयुक्त उत्तर**

(स) **अलङ्कार** $1\times2=2$

(i) अनुप्रासः

(ii) अर्थान्तरन्यासः

(द) **परिभाषा** $1\times2=2$

(i) स्वरव्यञ्जनसंहतेः ..... क्रमेण तेनैवावृत्तिः .....।

(ii) प्रकृतस्य परात्मना।

****